Tibet Issue in U.N.O.

10. **Shri Ramachandra Veerappa:**
Shri Kanwar Lal Gupta:
Shri R. S. Vidyarthi:
Shri N. K. Sanghi:
Shri Madhu Limaye:
Shri S. M. Banerjee:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri George Fernandes:
Shri Y. A. Prasad:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is proposed to raise the question of Tibet at the United Nations during its next session; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) At present, there is no such proposal.

(b) Does not arise.

Report of Pillai Committee on I.F.S.

11. **Shri B. S. Sharma:**
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Swell:
Shri K. P. Singh Deo:
Shri D. N. Deb:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shrimati Tarkeshwari Sinha:
Shri Hukam Chand Kachwai:
Shri Onkar Singh:
Dr. Karni Singh:
Shri Kikar Singh:
Shri R. K. Birla:
Shri R. S. Vidyarthi:
Shri P. K. Deo:
Shri D. N. Patodia:
Shri N. K. Sanghi:
Shri B. Barua:
Shri C. C. Desai:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether final decision has been taken on the recommendations of the Pillai Committee on the Indian Foreign Service;

(b) if so, the nature thereof; and

(c) when these will be implemented?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) to (c). The examination of the recommendations of the I.F.S. Committee in the Ministry of External Affairs has been completed. After consultations with other concerned Ministries of the Government of India it is proposed to consider the recommendations at Cabinet level, so that final decision can be taken at an early date.

आकाशवाणी के लिये निगम

12. श्री मोहन स्वरूप :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री अद्वानन्द :
श्री भारत सिंह :
श्री रणजीत सिंह :
श्री ओंकार सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा :
श्री विभूति मिश्र :
श्री क० ना० तिवारी :
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री च० का० भट्टाचार्य :
श्री कं० हलधर :
श्रीमती शारदा मुकर्जी :
श्री सेजियान :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी के लिये एक एक निगम बनाने के बारे में कोई निर्णय कर लिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस बारे में कब तक निर्णय कर लिया जायेगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) जी नहीं, अभी नहीं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

(ग) निर्णय शीघ्र करने की पूरी कोशिश की जा रही है।

Commercial Broadcasting

13. **Shri Mohan Swarup:**
Shri Ebrahim Sulaiman Sait:
Shri Manibhai J. Patel:
Shri M. Rampure:
Shri Hukam Chand Kachwai:
Shri Ram Singh Ayarwal:
Shri S. Supakar:
Shri N. R. Laskar:
Dr. Karni Singh:
Shrimati Nirlep Kaur:
Shri Ramachandra Veerappa:
Shri N. K. Sanghi:
Shri Sharda Nand:
Shri J. B. Singh:
Shri Y. A. Prasad:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri Swell:
Shri S. C. Samanta:
Shri A. K. Kisku:
Shri S. N. Maiti:
Shri Tridib Kumar Chaudhuri:
Shri Yashpal Singh:
Shri Virendrakumar Shah:
Shri R. Barua:
Shri C. C. Desai:
Shri Ranjit Singh:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Meetha Lal:
Shri Ram Kishen Gupta:
Shri Anbashagan:

Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) whether it is a fact that arrangements are being made for broadcasting commercial advertisements;

(b) if so, when this broadcasting will start; and

(c) the details thereof together with the estimated annual revenue receipts therefrom?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri K. K. Shah): (a) Yes Sir, in the beginning as a pilot project.

(b) and (c). The details are being worked out. Every attempt is made to expedite but it is difficult to say when it will start and what will be the revenue.

हिन्दी का प्रयोग

14. **श्री राम गोपाल शालवाले :** क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेश जाने वाले भारतीय अधिकारियों तथा अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को हिन्दी में न बोलने के कारण उचित सम्मान नहीं दिया जाता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार यह जरूरी समझेगी कि ऐसे अधिकारियों तथा अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पारपत्र (पासपोर्ट) तभी दिये जायें जब उन्हें हिन्दी पढ़ना तथा बोलना आता हो ;

(ग) उनके मंत्रालय में कितने सरकारी अधिकारियों ने हिन्दी सीख ली है और सरकार ने इस कार्य पर कितनी राशि व्यय की है ; और

(घ) कितने अधिकारी हिन्दी सीखने के बाद हिन्दी में काम करते है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) और (ख). जी नहीं।

(ग) 1960 से लेकर अब तक गृह मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत चलाई जाने वाली हिन्दी सीखने की कक्षाओं में 105 कर्मचारियों ने हिन्दी सीख ली है।

(घ) हिन्दी अनुभाग में काम करने वाले लोगों को छोड़ कर अन्य लोग हिन्दी का प्रयोग करने के लिए बाध्य नहीं हैं।